डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम

2018

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System

(CBCS)

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

मोराबादी – (झारखण्ड), पिन – 834008

पाठ्यक्रम की रूपरेखा **(CBCS)** :

क्रेडिट रूररेखा :–

एम0 ए0 हिन्दी पाठ्यक्रम

समसत्र **(Semester)** विभाजन – 140 क्रेडिट

Sem	CC	AECC	GE	SEC	DSE	Total Credits
SEM-I	6+6=12	2	6			20
SEM-II	6+6=12	2	6			20
SEM-III	6+6+6=18		6	2		26
SEM-IV	6+6+6=18		6	2		26
SEM-V	6+6=12	2			12	24
SEM-VI	6+6=12	2			12	24
CORE : 1-14	**84**	**4**	**24**	**4**		**140**

SEMESTER	CORE	CREDIT	TOTAL CREDIT
SEMESTER-I	CORE-1	6 CREDIT	20
	CORE-2	6 CREDIT	
	AEC-1	2 CREDIT	
	GE-1	6 CREDIT	
SEMESTER-II	CORE-3	6 CREDIT	20
	CORE-4	6 CREDIT	
	AEC-2	2 CREDIT	
	GE-2	6 CREDIT	
SEMESTER-III	CORE-5	6 CREDIT	26
	CORE-6	6 CREDIT	
	CORE-7	6 CREDIT	
	SEC-1	2 CREDIT	
	GE-3	6 CREDIT	

SEMESTER-IV	CORE-8	6 CREDIT	26
	CORE-9	6 CREDIT	
	CORE-10	6 CREDIT	
	SEC-2	2 CREDIT	
	GE-4	6 CREDIT	
SEMESTER-V	CORE-11	6 CREDIT	24
	CORE-12	6 CREDIT	
	DSE-1	6 CREDIT	
	DSE-2	6 CREDIT	
SEMESTER-VI	CORE-13	6 CREDIT	24
	CORE-14	6 CREDIT	
	DSE-3	6 CREDIT	
	DSE-4	6 CREDIT	
TOTAL CREDITS			140

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System

(CBCS)

द्वि–वर्षीय स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम

1. 6 समसत्रों में विभक्त
2. सम्पूर्ण पाठ्य की कुल क्रेडिट–140
3. कोर – अर्थात् ऑनर्स/प्रतिष्ठा
4. डी0एस0ई – डिस्पिलिनरी, स्पेसिफिक इलेक्टिव
5. ए0 ई0 सी0 – योग्यता विकास
6. जी0 ई0 – जेनेरिक इलेक्टिव
7. एस0 ई0 सी0 – कौशल विकास

CC : **Core Course**

AECC : **Ability Enhancement Compulsory Course**

GE : **Generic Elective**

SEC : **Skill Enhancement Course**

DSE : **Discipline Specific Elective**

स्नातकोत्तर हिन्दी
रूचि आधारित साख पद्धति
Choice Based Credit System
(CBCS)

समसत्र–1	
F.C.-01	हिन्दी साहित्य
C.C.-01	हिन्दी साहित्य का इतिहास–आधुनिक काल
C.C.-02	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
C.C.-03	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
समसत्र–2	
E.C.-01	(कौशल विकास) हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)
C.C.-04	रीतिकालीन काव्य
C.C.-05	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना
C. C.-06	अनुवाद विज्ञान
समसत्र–3	
C.C.-07	आधुनिक प्रबंध काव्य
C.C.-08	हिन्दी नाटक एवं एकांकी
C.C.-09	आधुनिक काव्य (छायावाद से छायावादोत्तर काव्य)
E.C.-02	वैकल्पिक विषय (Elective Course) (A, B,C) में से कोई एक
A	पत्रकारिता प्रशिक्षण
B	प्रयोजनमूलक हिन्दी
C	हिन्दी आलोचना
समसत्र–4	
C.C.-10	हिन्दी कथा–साहित्य
C.C.-11	हिन्दी नाटक और रंगमंच
E.C.-03	वैकल्पिक विषय (Elective Course) (A, B,C) में से कोई एक
A	प्रशासनिक हिन्दी
B	जनसंचार और मीडिया
C	हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

समसत्र–1
प्रथम–पत्र –01
क्रेडिट–05
विषय कोड – HIN 101

हिन्दी साहित्य का आदिकाल और मध्यकाल

इकाई–1 : इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, हिन्दी साहित्येतिहास, काल विभाजन, नामकरण एवं समस्याएँ।

क्रेडिट–1

इकाई–2 : आदिकाल – सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आदिकालीन साहित्य की प्रमुख–प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, नाच साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्यधारा एवं पृथ्वीरारासो। क्रेडिट–1

इकाई–3 : आदिकाल – प्रेरक परिस्थितियाँ, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, निर्गुण काव्य और प्रमुख संत कवि, सूफी काव्य (प्रेम काव्य) एवं प्रमुख सूफी कवि, प्रेमकाव्य परंपरा और मलिक मोहम्मद। क्रेडिट–1

इकाई–4 : सगुण काव्यधारा – रामकाव्यधारा और प्रमुख कवि, कृष्णकाव्यधारा और प्रमुख कवि।

भक्तिकाल : हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग। क्रेडिट–1

इकाई–5 : रीतिकाल – प्रेरक परिस्थितियाँ, नामकरण और सीमांकन, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विभिन्न काव्यधाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त) और रीतिकाल के प्रतिनिधि एवं महत्वपूर्ण कवि। क्रेडिट–1

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय प्रश्न।

4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. लघूत्तरीय प्रश्न	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
4. आंतरिक मूल्यांकन	:	**30**	**अंक**

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ0 रामचन्द्र शुक्ल, काशी नगरी प्रचारिणी सभा।
2. हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास–डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका–डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल– डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास–सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास–डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास–डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ –डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9. साहित्य और इतिहास दृष्टि–आ0 नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा–परिषद्, पटना।
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि– डॉ0 मैनेजर पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. मिश्रबन्धु विनोद–गणेश बिहारी मिश्र, श्यामबिहारी मिश्र एवं शुकदेव बिहारी मिश्र, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास–डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास–डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी, एन0सी0ई0आर0टी0 दिल्ली।

समसत्र–1
द्वितीय–पत्र –02
क्रेडिट–05
विषय कोड – HIN 102

हिन्दी साहित्य का इतिहास–आधुनिक काल

इकाई–1 : आधुनिकता की अवधारणा एवं सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिंदी गद्य का विकास। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : भारतेन्दु युग – प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और रचनाएँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : द्विवेदी युग– प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और रचनाएँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और समकालीन कविता।

क्रेडिट–1

इकाई–5 : विभिन्न गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास निबंध, नाटक, कहानी, उपन्यास एवं आलोचना। **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय प्रश्न।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 04x10=40
2. लघूत्तरीय प्रश्न : 04x05=20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 10x01=10

कुल अंक : 70 अंक

1. आंतरिक मूल्यांकन : **30 अंक**

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ0 रामचन्द्र शुक्ल, काशी नगरी प्रचारिणी सभा।
2. हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास–डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका–डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल– डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास–सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास–डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास–डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ –डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. साहित्य और इतिहास दृष्टि–आ0 नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा–परिषद्, पटना।
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि– डॉ0 मैनेजर पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

11. मिश्रबन्धु विनोद–गणेश बिहारी मिश्र, श्यामबिहारी मिश्र एवं शुकदेव बिहारी मिश्र, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास–डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास–डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी, एन0सी0ई0आर0टी0 दिल्ली।

समसत्र–1
तृतीय–पत्र –03
क्रेडिट–5
विषय कोड – HIN 103

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई–1 : पृथ्वीराज रासो – चंद्रावली

विद्यापति पदावल (सं0 रामकुँवर राय) प्रकाशक संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

भक्ति विषयक पद – पद सं0 –01 से 05 तक

'श्रृंगार विषयक पद – पद सं0 –13 से 18 तक **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : सूरदास – भ्रमर गीत सार – (संपादक रामचन्द्र शुक्ल) 10 पद

पद संख्या – 1, 3, 6, 8, 10, 13, 14, 20, 23, 25 **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : कबीर (सं0 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

परिशिष्ट – 02 से पद सं0 160 से 180 तक। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : जायसी ग्रंथावली (संपादक रामचन्द्र शुक्ल, नगर प्रचारिणी सभा, काशी)
नागमती, वियोग खण्ड 7 पद संख्या 01 से 15 तक **क्रेडिट–1**

इकाई–5 : तुलसीदास –रामचरित मानस–अयोध्या काण्ड, गीता प्रेस, गोरखपुर।
क्रेडिट–1

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. व्याख्याएँ

4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. व्याख्याएँ	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
1. आंतरिक मूल्यांकन	:	**30**	**अंक**

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. तुलसीदास–आ0 रामचन्द्र शुक्ल, नगरा प्रचारिणी सभा, काशी
2. सूरदास–डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद।
3. कबीर–आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. जायसी ग्रंथावली (भूमिका)– आ0 रामचन्द्र शुक्ल, नगरा प्रचारिणी सभा, काशी
5. सूर साहित्य– आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. पृथ्वीराज रासो की भाषा–डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. रामचरित मासन में अलंकार योजना–डॉ0 वचनदेव कुमार, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली।
8. मानस सूक्तिकोश–डॉ0 वचनदेव कुमार, क्लासिकल पब्लिकेशन, दिल्ली।
9. विद्यापति पदावली–डॉ0 नरेन्द्र झा, अनुपम पटना।

10. रामकथा : उत्पत्ति और विकास–डॉ0 फादर कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद्, प्रयाग।

11. लोकवादी तुलसी–डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

12. तुलसीदास–डॉ0 माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद् प्रयाग।

13. तुलसी के भक्त्यात्मक गीत–डॉ0 वचनदेव कुमार, क्लासिकल पब्लिकेशन, दिल्ली।

14. गोसाईं तुलसीदास–आ0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी।

समसत्र–1
चतुर्थ–पत्र –04
क्रेडिट–5
विषय कोड – HIN 104

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई–1 : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : भाषिक संरचना और भाषा प्रकार्य, भाषा अध्ययन की दिशाएँ–वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवमय और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनो का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : हिन्दी भाषा का विकास–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ (पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी) मध्यकालीन आर्य भाषा, और आधुनिक भारतीय आर्य भाषा और उनकी विशेषताएँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–5 : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, बिहारी खड़ी बोली, ब्रज और अवधी भाषा की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि–विशेषताएँ और मानकी करण। **क्रेडिट–1**

c

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय प्रश्न।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 04x10=40
2. लघूत्तरीय प्रश्न : 04x05=20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 10x01=10

कुल अंक : 70 अंक

2. आंतरिक मूल्यांकन : **30 अंक**

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा–डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान–आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास–डॉ0 भोलानाथ तिवारी, ज्ञानभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. भाषा विज्ञान–शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी भाषा का विकास–आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. भाषा शास्त्र की रूपरेखा – डॉ0 उदयनारायण तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद।
7. राष्ट्रभाषा आंदोलन और गाँधी जी–रामधारी सिंह दिनकर, उद्याचल प्रकाशन, पटना।
8. राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता–रामधारी सिंह दिनकर, उद्याचल प्रकाशन, पटना।
9. ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ–डॉ0 बलराम तिवारी, माध्यम प्रकाशन, पटना।
10. हिंदी शब्द–समूह+शब्द प्रयोग – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली।

समसत्र–2

पंचम–पत्र –05
क्रेडिट–5
विषय कोड –HIN 201

रीतिकालीन काव्य

इकाई–1 : केशव दास – रामचंद्रिका छंद – 1 से 19 तक

संपादक–ननिल वि0 शर्मा, केसरी कुमार, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : बिहारी लाल – स्वर्ण मंजूषा, मंगलाचरण, श्रृंगार और प्रकृति चित्रण संपादक–ननिल वि0 शर्मा, केसरी कुमार, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : भूषण – छंद संख्या – 1, 5, 7, 16, 17 और 20 स्वर्ण मंजूषा।

क्रेडिट–1

इकाई–4 : मतिराम – स्वर्ण मंजूषा – सम्पूर्ण **क्रेडिट–1**

इकाई–5 : घनानंद – स्वर्ण मंजूषा – सम्पूर्ण **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. व्याख्याएँ
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 04x10=40
2. व्याख्याएँ : 04x05=20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 10x01=10

कुल अंक : 70 अंक

3. आंतरिक मूल्यांकन : **30 अंक**

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. केशव और उनका साहित्य–डॉ0 विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. केशव दास–सं0 डॉ0 विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. केशवदास–डॉ0 जगदीश गुप्त, साहित्य अकादमी, दिल्ली।
4. बिहारी–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
5. बिहारी सतसई–रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना।
6. बिहारी का नया मूल्यांकन–डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
7. घनानंद का काव्य–डॉ0 रामदेव शुक्ल, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. रीतिकाव्य की भूमिका–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
9. हिंदी के रीति ग्रंथों का काव्यशास्त्रीय विवेचन–डॉ0 रामनाथ मेहता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
10. मतिराम ग्रंथावली–पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।
11. हिन्दी नवरत्न–मिश्र बन्धु, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।

समसत्र–2
षष्ठ पत्र –06
क्रेडिट–5
विषय कोड –HIN 202

हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)

इकाई–1 : हिन्दी पत्रकारिता, परिभाषा, क्षेत्र, उद्देश्य, उपयोगिता, भेद। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : हिन्दी पत्रकारिता – उद्‌भव और विकास–भारतेन्दुयुग, द्विवेदी युग से आज तक। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : झारखण्ड की हिन्दी पत्रकारिता–उद्‌भव और विकास एवं विविध प्रवृत्तियाँ, पत्रकारिता के विविधा आयाम। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : जनसंचार – परिभाषा स्वरूप और उद्देश्य

श्रव्य माध्यम – रेडियो, दृश्य माध्यम

दृश्य माध्यम – टेलीविजन, सिनेमा, प्रस्तुतीकरण। **क्रेडिट–1**

इकाई–5 : कम्प्यूटर – सामान्य परिचय एवं उपयोगिता

इंटरनेट – सामान्य परिचय एवं उपयागिता। **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय प्रश्न।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 04x10=40
2. लघूत्तरीय प्रश्न : 04x05=20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 10x01=10

कुल अंक : 70 अंक

4. आंतरिक मूल्यांकन : **30 अंक**

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी पत्रकारिता–डॉ0 वंशीधर लाल, अनुभव प्रकाशन, कानपुर।
2. पत्रकारिता के विभिन्न संदर्भ– अनुपम प्रकाशन, पटना।
3. ब्रेक के बाद, नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी–डॉ0 सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी पत्रकारिता–पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।
5. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता–डॉ0 अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. रेडियो नाट्यशिल्प–डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. आधुनिक पत्रकारिता–डॉ0 अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम–डॉ0 वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
9. संपादन के सिद्धांत, पत्रकारिता के विविध रूप–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

समसत्र–2
सप्तम् पत्र –07
क्रेडिट–05
विषय कोड –HIN 203

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना

इकाई–1 : काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु एवं शब्दशक्ति। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : रस नित्पति, साधारणीकरण, रीति सिद्धांत, वक्रोति सिद्धांत एवं ध्वनि सिद्धांत। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : अरस्तू अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लोनजाइनस–उदात्त सिद्धांत, आई रिर्डसन की मान्यताएँ। टी0 एस0 इलियट की अवधारणाएँ, क्रोचे का अभिव्यंजनवाद। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : अलंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमरू, उपमा, अत्प्रेक्षा, रूपक, वक्रोत्ति, विभावना, विशेषोक्ति, तदृकण, काव्यलिंग दीपक, तुल्पेगिता, उन्मीलित, संकर, संस्कृति, असंगति।

छंद–दोहा, चौपाई, खोरठा, हिरगीतिका, मालिनी, रोला, कुडलियाँ कवित्त, अनुष्ट्य, छप्पय, बर्खे, शिखरिणी। **क्रेडिट–1**

इकाई–5 : आलोचना–परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ, सैद्धांतिक (शास्त्रीय) आलोचना, स्वच्छन्दतावादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना, तुलनात्मक आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना, नई समीक्षा, स्त्री'–विमर्श, दलित–विमर्श, आदिवासी–विमर्श। **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय प्रश्न।

4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. लघूत्तरीय प्रश्न	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
4. आंतरिक मूल्यांकन	:	**30**	**अंक**

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. साहित्यालोचन–डॉ0 श्यामसुंदर दास, इण्डियन प्रेस, वाराणसी।
2. रस–मीमांसा–आ0 रामचन्द्र शुक्ल, नागर प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. काव्यदर्पण–पां0 रामदहिन मिश्र, भारती भवन, पटना।
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
5. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा भाग–1 एवं 2–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. रस–सिद्धांत– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. सिद्धांत और अध्ययन–डॉ0 गुलाब राय, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
8. काव्य के रूप– डॉ0 गुलाब राय, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
9. हिन्दी काव्य विमर्श– डॉ0 गुलाब राय, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
10. काव्यशास्त्र–डॉ0 भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. भारतीय काव्यशास्त्र–डॉ0 योगन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 कृष्णदेव शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

13. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
15. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ0 बच्चन सिंह, हरियाण साहित्य अकादमी, हरियाणा।
16. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य का चिंतन–डॉ0 सभापति मिश्र, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
17. काव्यशास्त्र के विभिन्न सोपान–डॉ0 बद्रीनाथ सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
18. भारतीय काव्य सिद्धांत एवं काव्य मीमांसा–डॉ0 त्रिभुवन राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
19. काव्यशास्त्र की रूपरेखा–डॉ0 श्यामनंदन शास्त्री, भारती भवन, पटना।
20. वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र–डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी, क्लासिकल पब्लिकेशन, दिल्ली।
21. हिन्दी शब्द शक्ति और पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी, क्लासिकल पब्लिकेशन, दिल्ली।
22. काव्य के तत्त्व–आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
23. अलंकार मुक्तावली–आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा–भारती भवन प्रकाशन, पटना।
24. अलंकार प्रकाश (छंद परिचय सहित) – डॉ0 रमेशचन्द्र पाठक, बुकलैंड प्रा0लि0 कोलकाता।
25. हिंदी आलोचना का विकास–डॉ0 नंदकिशोर नवल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
26. हिंदी आलोचना कल और आज–डॉ0 केदार सिंह, पुस्तक भवन, नई दिल्ली।
27. हिंदी आलोचना : बीसवीं शताब्दी–डॉ0 रेवती रमण, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
28. हिंदी आलोचना–डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
29. हिंदी छंद प्रकाश–रघुनंदन शास्त्री, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
30. छंदोदर्पण–डॉ0 गौरीशंकर मिश्र द्विजेन्द्र, अनुपम प्रकाशन, पटना।
31. हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार, डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

32. टी0 एस0 इलिएट और क्लासिक – डॉ0 पूर्णमासी राय, अभिनव भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
33. भारतीय काव्य चिंतन एवं पाश्चात्य काव्य चिंतन–डॉ0 शोभाकांत मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना।

समसत्र–2
अष्टम्–पत्र –08
क्रेडिट–04
विषय कोड –HIN 204

अनुवाद विज्ञान

इकाई–1 : अनुवाद की परिभाषा – 02

अनुवाद का स्वरूप – 02

अनुवाद का महत्त्व – 03

अनुवाद के प्रभेद – 05

इकाई–2 : अनुवाद प्रक्रिया – 03

अनुवाद के संसाधन – 02

इकाई–3 : अनुवाद के विविध क्षेत्र –

कार्यालय – 02

तकनीकी – 02

संचार माध्यम – 02

विज्ञापन, अनुवाद की प्रासंगिकता – 02

इकाई–4 : अनुवाद की समस्याएँ – 03

रचनात्मक अनुवाद की समस्याएँ – 03

पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ – 03

संचार माध्यमों में अनुवाद की समस्याएँ – 03

तकनीकी अनुवाद की समस्याएँ – 03

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय प्रश्न।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. लघृत्तरीय प्रश्न	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
4. आंतरिक मूल्यांकन	:	**30**	**अंक**
		कुल : 100	**अंक**

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान–सिद्धांत और समस्याएँ–देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. अनुवाद विज्ञान–डॉ0 भोलानाथ तिवारी।
3. अनुवाद विज्ञान–डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी (सं0)
4. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण–डॉ0 हरिमोहन
5. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप–डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
6. राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएँ–डॉ0 हरिमोहन
7. अनुवाद की समस्याएँ–डॉ0 जी0 गोनीनाथन
8. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ–डॉ0 भोलानाथ तिवारी।

समसत्र–3

नवम्–पत्र –09
क्रेटिड–04
विषय कोड –HIN 301

आधुनिक प्रबंध काव्य

इकाई–1 : अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔंध – प्रियप्रवास–प्रथम सर्ग। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : मैथिलीशरण गुप्त – साकेते–नवम् सगं। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : जयशंकर प्रसाद–कामायनी, श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : नरेश मेहता – संशय की एक रात **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. व्याख्याएँ
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40
2. व्याख्याएँ	:	04x05=20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10
कुल अंक	**:**	**70 अंक**
आंतरिक मूल्यांकन	**:**	**30 अंक**
	कुल :	**100 अंक**

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. साकेत एक अध्ययन – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव–डॉ0 कन्हैयालाल सहल, चिर गाँव, झाँसी।
3. साकेत विचार और विश्लेषण–डॉ0 वचनदेव कुमार, लोकभारती, इलाहाबाद
4. पुनर्मूल्यांकन : प्रियप्रवास साकेत कामायनी उर्वशी–डॉ0 नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
5. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. कामायनी : एक पुनर्विचार–गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. कामायानी : मिथक और स्वप्न–डॉ0 रमेश कुंतल मेघ, ग्रंथम रामबाग, कानपुर।
8. कामायनी का रचना संसार–डॉ0 प्रेमशंकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. कामायानी : इतिहास और रूपक–डॉ0 सुशीला भारती, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद।
10. कामयनी का पुनर्मूल्यांकन–डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. कामायनी पढ़ते हुए–अशोक प्रियदर्शी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
12. उर्वशी विचार और विश्लेषण–डॉ0 वचनदेव कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. उर्वशी उपलब्धि और सीमा–डॉ0 विजेन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. मैथिलीशरण गुप्त पुनर्मूल्यांकन–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
15. गुप्त जी की काव्य साधना–डॉ0 उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
16. गुप्त जी के सा0 का सांस्कृतिक अध्ययन–डॉ0 मुन्नीलाल जायसवाल, वशिष्ठ ना0 जायसवाल, गाजीपुर।
17. दिनकर – एक पुनर्मूल्यांकन–डॉ0 विजेन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
18. निदकर की साहित्य साधना–सं0 डॉ0 सतीश कुमार राय, किताब पब्लिकेशन, मुजफ्फरपुर।
19. दिनकर : चिंतन–अनुचिंतन– विद्यावती प्रकाशन, दिल्ली।
20. दिनकर की उर्वशी–डॉ0 राजनारायण राय, कैप्टिल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
21. दिनका गद्य साहित्य–डॉ0 प्रेमनाथ उपाध्याय, जिज्ञासा प्रकाशन, पटना।
22. आशुकवि दिनकर–सं0 डॉ0 सकलदेव शर्मा, संवाद पब्लिकेशन, दिल्ली।
23. दिनकरनामा (1–6 भाग)–डॉ0 दिवाकर, चैतन्यम नवादा, बिहार।

24. अ़र्द्धनारीश्वर दिनकर–डॉ0 कुमार विमल, सद्विचार प्रकाशन, पटना।
25. प्रियप्रवास : विचार और विश्लेषण–सं0 जंगबहादुर पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, पटना।
26. प्रियप्रवास का समीक्षात्मक अध्ययन–डॉ0 ओमप्रकाश सिंहल, हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली।
27. हरिऔंध और उनका प्रियप्रवास–केसरी कुमार, मोतीलाल बनारसी दास पटना।
28. संस्कृति के चार अध्याय–रामधारी सिंह दनिकर, उद्याचल पटना।
29. श्यामनारायण पाण्डेय की साहित्य साधना–डॉ0 रामसिंहासन प्रसाद शर्मा, अप्रकाशित शोध प्रबंध।
30. हल्दी घाटी : सौंदर्य और समीक्षा–डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, पटना।

समसत्र–3

EC-02 – I

वैकल्पिक कोर्स (Elective Course)

दशम् पत्र –10

क्रेडिट–04

विषय कोड –HIN 301

हिन्दी कथा साहित्य (इनमें से कोई एक)

इकाई–1 : उपन्यास – गोदान– प्रेमचंद **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : मैला आंचल–फणीश्वर नाथ रेणु। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : कहानी –

कफन–	प्रेमचन्द	
रामलीला –	राधाकृष्ण	
तीसरी कसम –	फणीश्वर नाथ 'रेणु'	
वापसी –	उषा प्रियंबदा	
परदा –	यशपाल	
चीफ की दावत –	भीष्म साहनी	**क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. लघूउत्तरीय	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
आंतरिक मूल्यांकन	**:**	**30**	**अंक**
	कुल : 100		**अंक**

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. गोदान–सं0 राजेश्वर गुरू, राधकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. गोदान नया परिप्रेक्ष्य – डॉ0 गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना।
3. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान–कमल किशोर गोयनका, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोदान का महत्व – सं0 डॉ0 सत्यप्रकाश मिश्र, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आज का हिन्दी कहानी : विचार और प्रतिक्रिया–डॉ0 मधुरेश, ग्रंथ निकेतन, पटना।
6. रागदरबारी पुनर्मूल्यांकन–सं0 डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी, एजुकेशनल बुक सर्विस, दिल्ली।
7. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया – डॉ0 देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन।
8. कहानी नई कहानी–डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. हिन्दी कथा साहित्य और झारखण्ड–अनामिका प्रिया, क्राउन पब्लिकेशन।

समसत्र–3

EC-02 - II

वैकल्पिक कोर्स (Elective Course)

क्रेडिट–05

विषय कोड –HIN 301

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई–1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं दिशाएँ, प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रासंगिकता। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : प्रयोजनमूलक हिन्दी और भाषा प्रयुक्ति, प्रयोजनमूलक हिन्दी की समस्या एवं समाधान, प्रयोजनमूलक हिन्दी के उदद्देश्य। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा बनाम राष्ट्रभाषा, प्रयोजनमूलक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अन्तर। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : परिभाषिक शब्दावली की समस्या एवं समाधान, व्याकरण की समस्या एवं समाधान, विश्व हिन्दी सम्मेलन परंपरा एवं उपलब्धियाँ राजभाषा हिन्दी की दशा एवं दिशा, हिन्दी का भविष्य। **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. लघूउत्तरीय	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
आंतरिक मूल्यांकन	**:**	**30**	**अंक**
	कुल : 100		**अंक**

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ0 विनोद गोदरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी का अध्ययन–डॉ0 सुशीला गुप्ता, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. कार्यालयी हिन्दी–डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी, अभिषेक अवतंस, क्लासिकल प्रकाशन कं0 नई दिल्ली।
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना–डॉ0 बासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, पटना।
5. व्यावसायिक हिन्दी–डॉ0 दिलीप सिंह, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई।
6. राजभाषा संकल्प–डॉ0 मधु भारद्वाज, भावना प्रकशन, दिल्ली।
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम–डॉ0 माया सिंह, डॉ0 सिद्धेश्वर काश्यप, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ0 दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. हिन्दी संक्षेपन, पल्लवन और पाठबोध–डॉ0 हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. परिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएँ–डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार, दिल्ली।

समसत्र–3

EC-02 – III

क्रेडिट–04

वैकल्पिक कोर्स (Elective Course)

विषय कोड –HIN 302

हिन्दी आलोचना

इकाई–1 : हिन्दी आलोचना–परिभाषा, स्वरूप, प्रकार और विशेषताएँ, हिन्दी आलोचना का विकास।

इकाई–2 : सैद्धांतिक आलोचना, तुलनात्मक आलोचना, ऐतिहासिक आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना।

इकाई–3 : प्रमुख आलोचक – महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, के आलोचना कर्म।

इकाई–4 : हिन्दी आलोचना तथा विभिन्न विमर्श, नई समीक्षा, स्त्री–विमर्श, दलित–विमर्श, आदिवासी विमर्श।

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. लघूउत्तरीय	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
आंतरिक मूल्यांकन	**:**	**30**	**अंक**
	कुल :	**100**	**अंक**

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द–डॉ0 बच्चन सिंह, राधकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. आ0 रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना–डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. आलोचना की आस्था–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. आलोचना के मान–शिवदान सिंह चौहान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य–डॉ0 रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. संकल्प समीक्षा दशक–डॉ0 निर्मला जैन, हिन्दी अकादमी, नई दिल्ली।
7. हिन्दी आलोचना का विकास–डॉ0 नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी–नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी–डॉ0 निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
10. साहित्यलोचन–डॉ0 श्यामसुंदर दास, इंडियन प्रेस, वाराणसी।
11. हिन्दी आलोचना – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।

अनिवार्य कोर्स (Compulsory Course)
समसत्र–3
CC-10
एकादश पत्र –11
क्रेडिट–05
विषय कोड –HIN 303

हिन्दी नाटक एवं एकांकी

इकाई–1 : अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

इकाई–2 : चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई–3 : आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश

इकाई–4 : हानूश – भीष्म साहनी

इकाई–5 : एकांकी – रीढ़ की हड्डी–जगदीशचन्द्र माथुर, औरंगजेब की आखरी रात–राजकुमार वर्मा, महाभारत की एक सांझ–भरत भूषण अग्रवाल, साहब को जुकाम है–उपेन्द्रनाथ 'अश्क', संघमित्रा–रामवृक्ष बेनीपुरी, स्ट्राईक–भूवनेश्वर, वे अभी भी कुवारी है अथवा आदमी है, नहीं है–डॉ0 सिद्धनाथ कुमार।

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. लघूउत्तरीय	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
आंतरिक मूल्यांकन	**:**	**30**	**अंक**
	कुल : 100		**अंक**

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
2. नाटक और रंगमंच – डॉ0 सीताराम झा 'श्याम', बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक विचार–तत्त्व–अवधेश चन्द्र गुप्त, नीरज बुक सेंटर, दिल्ली।
4. उत्तरशती के हिंदी काव्यनाटक (सृजन और सांस्कृतिक संदर्भ)–विजय कुमार संदेश, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।
5. प्रसाद के नाटक–डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
6. नाटकालोचन के सिद्धांत– डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
7. हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास– डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
8. हिंदी पद्यनाटक : सिद्धांत और इतिहास– डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
9. रेडियो नाट्य शिल्प : रेडियो नाटक की कला– डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
10. आधे–अधूरे : संवेदना और शिल्प – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
11. अंधेर नगरी : संवेदना और शिल्प – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
12. भारत दुर्दशा : संवेदना और शिल्प – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
13. चन्द्रगुप्त : संवेदना और शिल्प – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना।
14. चंद्रगुप्त : एक मूल्यांकन–राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
15. अंधेर नगरी का नया मूल्यांकन–सं0 डॉ0 हीरानंदन प्रसाद, जानकी प्रकाशन, पटना।
16. भारत दुर्दशा का नया मूल्यांकन–सं0 डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय, जानकी प्रकाशन, पटना।
17. हिंदी नाटक कल और आज–केदारनाथ सिंह, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।
18. प्रसाद जी का चंद्रगुप्त–प्रो0 कृष्ण कुमार सिन्हा, नोवेल्टी एण्ड कम्पनी।
19. आधा अधूरे–मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
20. प्रसाद और उनके नाटक–प्रो0 केशरी कुमार, मोतीलाल बनारसी दास, पटना।
21. प्रसाद और उनका चन्द्रगुप्त–प्रो0 पुरूषोत्तम लाल विज, रीगल बुक डिपो, दिल्ली।

22. आधे–अधूरे एक अध्ययन–डॉ0 मंजरी खन्ना, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।
23. हिंदी समस्या नाटक : भाषागत अध्ययन– दीनानाथ पाण्डेय, अभिनव भारती, इलाहाबाद।
24. हिंदी नाटकों में अभिव्यक्त यौन यथार्थ का मनोवैज्ञानिक अध्ययन–डॉ0 रतन प्रकाश, विद्या प्रकाशन, राँची।
25. समीचीन (त्रैमासिक) नाटक अंक–सं0 डॉ0 देवेश ठाकुर, संकल्प प्रकाशन, बम्बई।
26. हिंदी नाटक के सौ वर्ष–सं0 बालेन्दु शेखर तिवारी, गिरनार प्रकाशन, गुजरात।
27. नाटक और मंच–निशांतकेतु, सीमांत प्रकाशन, गुजरात।
28. हिंदी नाटक और रंगमंच–सं0 डॉ0 राजमल बोरा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
29. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान–डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, किताब घर, दिल्ली।
30. रंगभूमि–भारतीय नाट्य सौंदर्य–डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
31. नाट्य प्रस्तुति–डॉ0 रमेश राजहंस, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
32. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच–डॉ0 जयदेव तनेजा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
33. हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास–डॉ0 रामचरण महेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

निर्देश :

1. प्रश्नप्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
3. लघुत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्नों की स्थिति में एक प्रश्न 10 अंकों में विभक्त होगा।
4. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य हैं।

अनिवार्य कोर्स (Compulsory Course)

समसत्र–4

CC-10

एकादश पत्र –11

क्रेडिट–05

विषय कोड –HIN 304

आधुनिक काव्य (छायावाद से छायावादोत्तर काव्य)

इकाई–1 : जयशंकर प्रसाद–बीती बिभावरी जागरी, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से हिमालय के ओसन में।
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति । **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : सुमित्रानंदन पंत–प्रथम रश्मि, नौका विहार, ताज। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : महादेवी वर्मा–मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, मैं वीर भरी दुःख की बदली, जो तुम आ जाते एक बार। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : नागार्जुन–अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद।
अज्ञेय–कलजी बाजरे की, असाध्य वीणा। **क्रेडिट–1**

इकाई–5 : मुक्तिबोध–अंधेरे में
दुष्यंत कुमार–कहाँ तो तय था, चिराग, हो गयी है पीर पर्वत सी, बीस साल बाद, प्रौढ़ शिक्षा धूमिल, रोटी और संसद, मोचीराम। **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. व्याखाएँ
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40	
2. व्याख्याएँ	:	04x05=20	
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10	
कुल अंक	**:**	**70**	**अंक**
आंतरिक मूल्यांकन	**:**	**30**	**अंक**
	कुल : 100		**अंक**

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. छायावाद–डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. कविता के नये प्रतिमान–डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. कामायनी एक पुर्नमूल्यांकन–डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कामायनी पढ़ते हुए–डॉ0 अशोक प्रियदर्शी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
5. कामायनी एक पुनर्विचार–मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. निराला–डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. निराला की साहित्य साधाना, भाग–1–3, डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. निराधा की गद्य भाषा–डॉ0 किरण तिवारी, भावना प्रकाशन, दिल्ली।
9. निराला काव्य का अध्ययन–डॉ0 भगीरथ मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. राम की शक्ति पूजा–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
11. महादेवी वर्मा–शचीरानी गुर्टू, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
12. सुमित्रा नंदन पंत के काव्य में प्रेम और अनुशीलन–डॉ0 मधुबाला सिन्हा, क्लासिकल प्रकाशन, दिल्ली।
13. नारि बिम्ब के आलोक में नयी कविता–डॉ0 मीरा सिंह, भावना प्रकाशन, दिल्ली।
14. मुक्तिबोध के काव्य में मानवीय चेतना–कुमारी उर्वशी, भावना प्रकाशन, दिल्ली।
15. छायावाद, नयी कविता और नवगीत–डॉ0 अमल सिंह 'भिक्षुक', त्रिवेणी प्रकाशन डेहरी–ओन–सोन।
16. छायावाद युगीन कविता पुस्तक समीक्षा–डॉ0 कुमार वीरेन्द्र, दिशा इंटरनेशनल प0हा0 दिल्ली।
17. नागार्जुन–डॉ0 प्रभाकर माचवे–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
18. सर्वेश्वर की कविता–डॉ0 कपिलदेव पाण्डेय, प्रिय साहित्य सदन, दिल्ली।
19. छायावाद और महादेवी वर्मा–डॉ0 नंद कुमार राय, अनुपम प्रकाशन, पटना।
20. ज्योति विहंग–शांतिप्रिय द्विवेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
21. अज्ञेय की काव्य दृष्टि–डॉ0 परितोष कुमार मणि, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।
22. असाध्य वीणा की साधना (मूल्यांकन और पाठ)–प्रो0 वशिष्ठ अनूप, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

वैकल्पिक कोर्स (Elective Course)
समसत्र–4
EC-02
दशम् पत्र –12
विषय कोड –HIN .....
क्रेडिट–5

हिन्दी नाटक और रंगमंच

इकाई–1 : संस्कृत, यथार्थवादी रंगमंच की विशेषताएँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : रूपत के भेद, रस, अभिनय के भेद। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : हिन्दी रंगचिंतन–भारतेन्दु, मोहन राकेश, जयशंकर प्रसाद, नेमिचन्द्र जैन **क्रेडिट–1**

इकाई–4 :
1. हिन्दी रंगमंच का अध्ययन
   अव्यावसायिक रंगमंच / व्यावसायिक रंगमंच
   पारसी रंगमंच, इप्टा, पृथ्वी थियेटर।
2. प्रमुख पारंपरिक नाट्य रूप, रामलीला, रासलीला, स्वांग, बिदेसिया।

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 04x10=40
2. लघूउत्तरीय : 04x05=20

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 10x01=10

कुल अंक : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. रंग दर्शन–ललितकला अकादमी।
2. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच–गिरीश रस्तोगी।
3. लोक नाटक के रूप–मंधाता ओझा।
4. पारसी रंग मंच की परंपरा–डॉ0 लक्ष्मी नारायण लाल।

वैकल्पिक कोर्स (Elective Course)
समसत्र–4
EC-03-II
दशम् पत्र –.....
विषय कोड –HIN .....

इकाई–1 : श्रव्य–दृश्य माध्यम की अवधारणा, माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और महत्त्व हिन्दी में माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास झारखण्ड का रेडियो साहित्य माध्यम लेखन की विविध दिशाएँ, सूचना प्रौद्यागिकी की चुनौतियाँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : रेडिया श्रव्य माध्यम के रूप मे रेडियो लेखन की विशेषताएँ, रेडियो लेखन विधाएँ, रेडियो वार्ता, रेडियो नाटक, रेडियो पीयन, रेडियो साक्षात्कार, विधाएँ, रेडियो लेखन की सावधानियाँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : श्रव्य दृश्य माध्यम के रूप में टेलीविजन–टेलीविजन लेखन की विशेषताएँ, टेलीविजन लेखन की विविध दिशाएँ, पटकथा, साक्षात्कार, समाचार रूप का शैक्षणिक कार्यक्रम अन्य विधाएँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : विज्ञान का स्वरूप, विज्ञान का महत्त्व, विज्ञापन का उद्देश्य, विज्ञापन विविध माध्यम, विज्ञापन के प्रभेद, विज्ञापन प्रक्रिया, विज्ञापन में भाषा। **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. लघूत्तरीय
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1.	आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40
2.	लघूउत्तरीय	:	04x05=20
3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10
	कुल अंक	**:**	**70 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन	**:**	**30 अंक**

कुल : 100 अंक

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. श्रव्य–दृश्य माध्यम लेखन–डॉ0 राजेन्द्र मिश्र।
2. रेडियो नाटक की कला–डॉ0 सिद्धनाथ कुमार।
3. टेलीविजन लेखन–डॉ0 असगर बजाहत।
4. विज्ञापन एवं प्रसार–
5. सूचना प्रौद्योगिकी और जन माध्यम–डॉ0 हरिमोहन
6. रंगकर्म और मीडिया–डॉ0 जयदेव तनेजा
7. रेडियो लेखन–डॉ0 मधुकर गंगाधर
8. मीडिया लेखन कला–डॉ0 सूर्य प्रसाद दीक्षित।

समसत्र–4
वैकल्पिक कोर्स (Elective Course)
EC-03-III
विषय कोड –HIN .....

हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई–1 : हिन्दी निबंध, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार और विशेषताएँ, रेखा चित्र, परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ, आत्मकथा परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ जीवनी परिभाषा, स्वरूप विशेषताएँ। **क्रेडिट–1**

इकाई–2 : निबंध–साहित्य –शिवपूजन सहाय
नाखून क्यों बढ़ते हैं–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह। **क्रेडिट–1**

इकाई–3 : माटी की मूरतें–रामवृक्ष बेनीपुरी
धीसा–महादेवी वर्मा **क्रेडिट–1**

इकाई–4 : आत्मकथा – मुर्दहिया–डॉ0 तुलसीराम। **क्रेडिट–1**

निर्देश :

1ण 1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2ण 2. कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
3ण 3. लघूत्तरीय
4ण 4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5ण 5. प्रायः प्रत्येक ईकाई से प्रश्न वांछित हैं।

अंक विभाजन

1ण 1.	आलोचनात्मक प्रश्न	:	04x10=40
2ण 2.	लघूउत्तरीय	:	04x05=20
3ण 3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10x01=10
	कुल अंक	**:**	**70 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन	**:**	**30 अंक**
		कुल : 100	**अंक**

नोट : 20+10=30 (10+10=20 अंक आंतरिक परीक्षाओं पर तथा 10 अंक उपस्थिति, सेमिनार, एन0 एस0 एस0 एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता पर।)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. साहित्यिक निबंध–डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. काव्य कला तथा अन्य निबंध–जयशंकर प्रसाद, डायमंड पॉकेट बुक, दिल्ली।
3. शृंखला की कड़ियाँ, स्मृति की रेखाएँ–महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. अध्यापक पूर्णसिंह के निबंध–सं0 प्रभात शास्त्री, कौसाम्बी प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. कल्पलता, कुटज, अशोक के फूल–डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मुर्दहिया, (आत्मकथा का पहला खण्ड)–डॉ0 तुलसीराम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अनिवार्य कोर्स (Compulsory Course)

समसत्र–4

CC-10

दशम् पत्र –11

विषय कोड –HIN .....

क्रेडिट–.....

लघु–शोध (Dissertation)

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य एवं भाषा से संबंधित किसी विषय पर लघु–शोध प्रबंध। यह पत्र 100 अंकों का होगा। उत्तीर्णांक–45 अंकों का है। लघुशोध–प्रबंध लेखन–60 अंकों का तथा मौखिकी–40 अंकों की होगी। इस पत्र का मूल्यांकन विश्वविद्यालय के बाह्य परीक्षक करेंगे और वही इसकी मौखिकी भी सम्पन्न करायेंगे।